

नमस्ते मेरा नाम यश है

क्षमा करे, मुझे खेद है।

महात्मा गांधी, जिनका जन्म 2 अक्टूबर, 1869 को गुजरात के पोरबंदर में मोहनदास करमचंद गांधी के रूप में हुआ था, ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता के लिए भारत के संघर्ष में एक नेता और नरिणायक व्यक्ता थे। अहसिक प्रतररररर के अपने दर्शन के लिए जाने जाने वाले गांधी के अहसिा (अहसिा) और सत्याग्रह (सत्य और दृढ़ता) के सदिधांतों ने दुनिया भर में नागरकि अधकिार आंदोलनों को प्रभावति कयिा।

गांधी ने लंदन में कानून की शकिषा प्राप्त की और भारत में कुछ समय तक वकालत करने के बाद दक्षणि अफ्रीका चले गए। वहाँ उन्होंने नस्लीय भेदभाव का सामना कयिा और शांतिपूर्ण वरररर के अपने तरीके वकिसति करने शुरू कए। 1915 में भारत लौटकर गांधी भारतीय राष्ट्ररीय कांग्रेस के नेता बन गए और सामाजकि सुधारों, अछूतों (जनिहे वे हरजिन कहते थे) के उत्थान और भारत की स्वतंत्रता के लिए राष्ट्रव्यापी अभयान का नेतृत्व कयिा।

उनके नेतृत्व में प्रमुख क्षणों में असहयोग आंदोलन (1920), नमक मार्च (1930) और भारत छोड़ो आंदोलन (1942) शामिल थे। ब्रिटिश वस्तुओं, संस्थानों और करों के बहिष्कार की उनकी रणनीति ने औपनिवेशकि शक्ति को कमजोर कयिा और स्वतंत्रता आंदोलन में बड़े पैमाने पर भागीदारी को प्रेरति कयिा।

कई बार जेल जाने के बावजूद गांधी अहसिा के प्रतिप्रतिबद्ध रहे। उन्होंने हद्वि-मुसलमि एकता की भी वकालत की, लेकिन उनके प्रयास 1947 में भारत के वभिाजन को नहीं रोक सके, जिसके कारण पाकिस्तान का निर्माण हुआ।

30 जनवरी, 1948 को नई दलिली में नाथूराम गोडसे ने गांधी की हत्या कर दी थी। नाथूराम गोडसे एक हद्वि राष्ट्रवादी थे, जो गांधी के मुसलमानों के कथति तुष्टकिरण से नाराज थे। अहसिा, शांति और सामाजकि न्याय के चैपयिन के रूप में उनकी वरिसत नागरकि अधकिारों और स्वतंत्रता के लिए वैश्वकि आंदोलनों को प्रेरति करती है।